an>

Title: Regarding problems of farmers in border areas of Punjab.

श्री भगवंत मान ः मैं अपने राज्य पंजाब का एक बहुत ही गंभीर मसला उठाना चाहता हूं। माननीय गृह मंत्री जी यहां बैठे हैं। इंडो-पाक बार्डर में लगभग साढ़े चार सौ किलोमीटर का एरिया पंजाब का है जहां पर तार लगी हुई है। तार के पार भी किसानों के खेत हैं। उनकी खेती बीएसएफ पर डिपेंड है। यह रूल है कि वे गेहूं और धान के सिवा और कोई फसल नहीं बो सकते क्योंकि ऊंची फसलें जैसे गन्ना, कपास या सूरजमुखी नहीं बो सकते जो देश की सिक्युरिटी के लिए बिल्कुल सही कानून है। लेकिन केन्द्र सरकार की तरफ से कहा गया था कि उन्हें 2500 रुपये पर ईयर मुआवजा दिया जाएगा। वह नहीं मिला। बाद में पंजाब सरकार ने 7,000 रुपये पर ईयर एनाउंस कर दिया, लेकिन वह भी नहीं मिला।...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से यह मामला उठाना चाहता हूं कि जो लोग आई-कार्ड दिखाकर अपने खेतों में जाते हैं, उनके लिए केन्द्र सरकार क्या सुविधाएं दे रही है।

पच्चीस और तीस गांव ऐसे हैं जो रावी के पार हैं। वहां के लोग अपने बच्चों को बेड़े और किश्ती में बिठाकर "इंडिया" पढ़ने के लिए भेजते हैं। ...(व्यवधान) करतारपुर साहिब जहां गुरूनानक देव जी ज्योति ज्योत समाए थे, वह गुरूद्वारा इंडिया से नज़र आता है। ...(व्यवधान) वह इंडिया से पन्द्रह किलोमीटर दूर है, बीच में रावी दरिया है, वहां पुल की सुविधा नहीं है जबकि हम लोग हर रोज अरदास करते हैं कि जिन गुरूद्वारों, गुरूधामों को पंथ से बिछौड़ा गया है, ...(व्यवधान) उनके खुले दर्शन-दीदार और सेवा संभाल की खालसा जी को बल बक्शो, लेकिन अगर एक पुल बन जाए तो लाखों लोग श्रद्धा के लिए करतारपुर साहब माथा टेकने जाते हैं। ...(व्यवधान) उनकी भावनाओं की कद्र हो जाएगी। मैं मांग करता हूं कि इस मामले को गंभीरता से लिया जाए और बार्डर एरिया के किसानों का मसला सरकार के कानों तक पहुंचे।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र और

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भगवंत मान द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।